

क्रि०नं० 436/दावा/2019 सुशीलाबाई बनाम राजस्थान सरकार

17/10/2019


पत्रावली पेश हुई। प्रार्थीया सुशीला भीणा ने जरिये अधिवक्ता को प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है कि ग्राम ककवासा की जमाबंदी सं० 2072-75 की खतोनी सं० 27 की ख०नं० 25 रकबा 21.01 बीघा आराजी में प्रार्थीया का नाम सहवन से सुशीलाबाई के स्थान पर ममताबाई पति शंकर जाति भीणा अंकित हो गया है जबकि सही नाम सुशीलाबाई पति शंकरलाल जाति भीणा निवासी पीपल्दा है। ग्राम पंचायत के प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, भामाशाह कार्ड एवं बैंक डायरी में यही नाम अंकित है। अतः प्रार्थीया का नाम खाते में शुद्ध किया जावे।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। ग्राम ककवासा की जमाबंदी सं० 2072-75 की खतोनी सं० 27 की ख०नं० 25 रकबा 21.01 बीघा आराजी में भुक्नेश नावा० पुत्र शंकर, सुमन, शिवानी नावा० पुत्र शंकर, ममताबाई पति शंकर नावा० की वली माता ममताबाई 1/15 हिस्सा दर्ज रेकार्ड है। अर्थात् इस जमाबंदी में प्रार्थीया का नाम ममताबाई दर्ज है, जबकि प्रार्थीया द्वारा प्रस्तुत प्रमाण-पत्र ग्राम पंचायत धनौदाकला दिनांक 26.06.19, 05.09.2019, आधारकार्ड, भामाशाह कार्ड, स्टेट बैंक की वचत खाता डायरी में प्रार्थीया का नाम सुशीलाबाई दर्ज है। ग्राम पंचायत धनौदाकला ने अपने प्रमाण पत्र दि० 26.06.2019 से यह अवगत कराया है कि सुशीलाबाई व ममताबाई एक ही महिला के दो नाम हैं। ऐसे में न्यायहित में प्रार्थीया का नाम राजस्व रेकार्ड में दुरुस्त किया जाना उचित है।

अतः प्रार्थना-पत्र प्रार्थीया अन्तर्गत धारा 136 एल०आर०एक्ट 1956 स्वीकार किया जाता है तथा ग्राम ककवासा की जमाबंदी सं० 2072-75 की खतोनी सं० 27 की ख०नं० 25 रकबा 21.01 बीघा आराजी में प्रार्थीया का नाम ममताबाई के स्थान पर ममताबाई उर्फ सुशीलाबाई पति शंकरलाल शुद्ध किये जाने की आज्ञा पारित की जाती है। राजस्व रेकार्ड में उक्तानुसार अमल दरामद हो। पत्रावली निर्णय में शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तामील तकमील दाखिल दफ्तर हो।


उपसंहार अधिवक्ता
झानपुर जिला झानवाड़
(राजस्थान)

निर्णय आज दिनांक 17/10/2019 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


उपसंहार अधिवक्ता
झानपुर जिला झानवाड़
(राजस्थान)

